

Part A Introduction			
Program: Honours/Research		Class: All Faculty	Year : IV
Session: 2024-2025			
Subject : Research Methodology			
1	Course Code	X4-AREMIT	
2	Course Title	Research Methodology (Theory)	
3	Course Type	Compulsory Paper Research Methodology	
4	Pre-requisite (if any)	Open for all.	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	<p>The course will enable the students to:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Understand various kinds of research, objectives of doing research, research process, research designs and sampling. 2. Identify and discuss the issues and concepts salient to the research process. 3. Recognize the complex issues inherent in selecting a research problem, selecting an appropriate research design, and implementing a research project. 4. Discuss the concepts and procedures of sampling and data collection. 5. Aware of hypothesis testing procedures. 	
6	Credit Value	4 Credits	
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70	Min. Passing Marks: 35

Part B - Content of the Course		
Total No. of Lectures (in hours per week): 2 hours per week		
Total Lectures: 60 hours		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	Introduction of Research Methodology: Meaning of research, Objectives of research, Motivation in research, Types of research, Research approaches, Significance of research, Research and scientific method, Research process, Criteria of good research, Problems faced by researchers.	10
II	Identification and Formulation of Research Problem: Definition, Objectives of research problem, Selection of problem, Identification of problem, Necessity and techniques of defining research problem, Formulation of research problem, Experimental research design.	10
III	Review of Literature: Searching for the existing literature, Need and significance, Reviewing the selected literature, Developing a theoretical framework, Developing a conceptual framework, Writing about the literature reviewed.	10



Name of BOS:
Date:

Signature of the Chairman (BOS):
Name:

IV	<p>Research and Sampling Design: <i>Research Design:</i> Meaning, Need and features of good research design, Important concepts relating to research design, Types of research designs, Basic principles of experimental designs, Developing a research plan.</p> <p><i>Sampling Design:</i> Implications of a sample design, Steps in sampling design, Criteria of Selecting a Sampling Procedure, Characteristics of ideal sample design, Different types of Sample Designs, Selection of random sample, Random sample from an infinite Universe, Complex random sampling designs, Sampling V/s non-sampling error.</p>	18
V	<p>Testing of Hypotheses and Analysis of Data: Introduction to hypothesis, Basic concepts concerning testing of hypotheses, Procedure for hypothesis testing, Flow diagram for hypothesis testing, Measuring the power of a hypothesis test, Tests of hypotheses, Important parametric tests, Univariate and bivariate analysis of data, Analysis of variance, Parametric and non-parametric test.</p>	12
<p>Keywords/Tags: Types of research, Significance of research, Research process, Objectives of research problem, Identification of problem, Formulation of research problem, Review of literature, Research design, Sampling design, Testing of hypotheses, Analysis of data.</p>		

Part C - Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings:

Text Books:

1. C.R. Kothari: Research Methodology (Methods and Techniques), New Age International Publishers, 2010.
2. V. P. Saxena: Research Methodology: Indira publishing House, 2016.
3. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकें।

Reference Books:

1. Ranjit Kumar: Research Methodology, Sage Publications Pvt. Ltd, Fourth edition, 2014.
2. Uwe Flick: Introducing Research Methodology, Sage Publications India Private Limited, Second edition, 2017.
3. R. Panneerselvam: Research Methodology, PHI Learning Pvt. Ltd., 2014.
4. Dr.Priti R. Majhi, Dr.Prafull K.Khatua: Research methodology (Concepts, methods, Techniques & SPSS), Himalaya publishing house, 2013.
5. David DeMatteo, Geoffrey R. Marczyk, David Festinger: Essentials of Research Design & Methodology, Wiley Publication, 2005.
6. Kumar: Research Methodology, Pearson, 2005.

Suggested Digital Platforms Web links:

<https://www.eshiksha.mp.gov.in/mpdhe>

Suggested Equivalent online courses:

https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/index.php/courses/view_ug/330

Name of BOS:

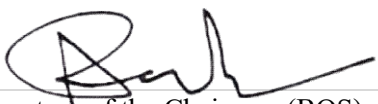
Date:

Signature of the Chairman (BOS):

Name:

Part D: Assessment and Evaluation	
Suggested Continuous Evaluation Methods:	
Maximum Marks:	100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):	30 Marks
University Exam (UE):	70 Marks
Internal Assessment:	
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Total Marks: 30
External Assessment:	
University Exam (UE)	Total Marks: 70

Name of BOS:
Date:



Signature of the Chairman (BOS):
Name:

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: आनर्स / रिसर्च डिग्री		कक्षा: समस्त संकाय	वर्ष: चतुर्थ
सत्र: 2024-2025			
विषय : शोध प्रविधि			
1	पाठ्यक्रम का कोड	X4-AREMIT	
2	पाठ्यक्रमका शीर्षक	शोध प्रविधि	
3	पाठ्यक्रमका प्रकार	अनिवार्य विषय शोध प्रविधि	
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite)	सभी विद्यार्थियों के लिए।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	<p>यह पाठ्यक्रम छात्रों को सक्षम बनाएगा :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. विभिन्न प्रकार के अनुसंधान, अनुसंधान करने के उद्देश्य, अनुसंधान प्रक्रिया, अनुसंधान डिजाइन और नमूनाकरण को समझना। 2. अनुसंधान प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों और अवधारणाओं को पहचानना और उन पर चर्चा करना। 3. एक शोध समस्या का चयन करना, एक उपयुक्त शोध डिजाइन का चयन करना और एक शोध परियोजना को लागू करने में निहित जटिल मुद्दों को पहचानना। 4. नमूनाकरण और डेटा संग्रह की अवधारणाओं और प्रक्रियाओं पर चर्चा करना। 5. परिकल्पना परीक्षण प्रक्रियाओं से अवगत होना। 	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक: 4 क्रेडिट	
7	कुलअंक	अधिकतमअंक: 30 + 70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

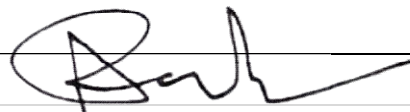
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): प्रति सप्ताह 2 घंटे		
कुल व्याख्यान:60 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	<p>अनुसंधान पद्धति का परिचय:</p> <p>शोध का अर्थ, शोध के उद्देश्य, शोध में प्रेरणा, शोध के प्रकार, शोध दृष्टिकोण, शोध का महत्व, शोध और वैज्ञानिक विधि, शोध प्रक्रिया, अच्छे शोध के मानदंड, शोधकर्ताओं के सामने आने वाली समस्याएं।</p>	10



Name of BOS:
Date:

Signature of the Chairman (BOS):
Name:

II	अनुसंधान समस्या की पहचान और निरूपण: परिभाषा, शोध समस्या के उद्देश्य, समस्या का चयन, समस्या की पहचान, शोध समस्या को परिभाषित करने की आवश्यकता एवं तकनीक, शोध समस्या का निरूपण, प्रायोगिक शोध अभिकल्प।	10
III	साहित्य की समीक्षा: उपलब्ध साहित्य की खोज, आवश्यकता और महत्व, चयनित साहित्य की समीक्षा, एक सैद्धांतिक ढांचा विकसित करना, एक वैचारिक ढांचा विकसित करना, समीक्षा किए गए साहित्य के बारे में लिखना।	10
IV	अनुसंधान और नमूनाकरण डिजाइन: अनुसंधान डिजाइन: अच्छे अनुसंधान डिजाइन का अर्थ, आवश्यकता और विशेषताएं, अनुसंधान डिजाइन से संबंधित महत्वपूर्ण अवधारणाएं, अनुसंधान डिजाइन के प्रकार, प्रयोगात्मक डिजाइन के बुनियादी सिद्धांत, एक अनुसंधान योजना विकसित करना। नमूना डिजाइन: एक नमूना डिजाइन के निहितार्थ, नमूना डिजाइन में कदम, एक नमूना प्रक्रिया का चयन करने का मानदंड, आदर्श नमूना डिजाइन की विशेषताएं, विभिन्न प्रकार के नमूना डिजाइन, यादृच्छिक नमूने का चयन, एक अनंत ब्रह्मांड से यादृच्छिक नमूना, जटिल यादृच्छिक नमूना डिजाइन, नमूनाकरण V/s अ-नमूनाकरण त्रुटि है।	18
V	परिकल्पनाओं का परीक्षण और डेटा का विश्लेषण: परिकल्पना का परिचय, परिकल्पनाओं के परीक्षण से संबंधित बुनियादी अवधारणाएँ, परिकल्पना परीक्षण की प्रक्रिया, परिकल्पना परीक्षण के लिए प्रवाह आरेख, परिकल्पना परीक्षण की शक्ति को मापना, परिकल्पनाओं का परीक्षण, महत्वपूर्ण पैरामीट्रिक परीक्षण, डेटा का यूनीवेरिएट और बाइवेरिएट विश्लेषण, विचरण का विश्लेषण, पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण।	12
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: शोध के प्रकार, शोध का महत्व, शोध प्रक्रिया, शोध समस्या के उद्देश्य, समस्या की पहचान, शोध समस्या का निरूपण, साहित्य की समीक्षा, शोध डिजाइन, नमूनाकरण डिजाइन, परिकल्पनाओं का परीक्षण, डेटा का विश्लेषण।		



Name of BOS:

Signature of the Chairman (BOS):

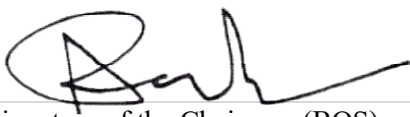
Date:

Name:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तक, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>पाठ्य पुस्तकें:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. C.R. Kothari: Research Methodology (Methods and Techniques), New Age International Publishers, 2010. 2. V. P. Saxena: Research Methodology: Indira publishing House, 2016. 1. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी की पुस्तकें।
<p>सन्दर्भ पुस्तकें:</p> <ol style="list-style-type: none"> 3. Ranjit Kumar: Research Methodology, Sage Publications Pvt. Ltd, Fourth edition, 2014. 4. Uwe Flick: Introducing Research Methodology, Sage Publications India Private Limited, Second edition, 2017. 5. R. Panneerselvam: Research Methodology, PHI Learning Pvt. Ltd., 2014. 6. Dr.Priti R. Majhi, Dr.Prafull K.Khatua: Research methodology (Concepts, methods, Techniques & SPSS), Himalaya publishing house, 2013. 7. David DeMatteo, Geoffrey R. Marczyk, David Festinger: Essentials of Research Design & Methodology, Wiley Publication, 2005. 8. Kumar: Research Methodology, Pearson, 2005. <p>अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक: https://www.eshiksha.mp.gov.in/mpdhe</p> <p>अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/index.php/courses/view_ug/330</p>

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां	
अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:	
अधिकतम अंक: 100	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 30 अंक	
विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 70 अंक	
आंतरिक मूल्यांकन:	
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	कुल अंक :30
वाह्य मूल्यांकन:	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	कुल अंक :70

Name of BOS:
Date:


Signature of the Chairman (BOS):
Name:

भाग-अ परिचयः			
सैद्धान्तिकप्रश्नपत्रम्			
कार्यक्रमः- आनर्स/रिसर्च	कक्षा- शास्त्री (B.A)	वर्ष- चतुर्थम्	सत्रम्-2024-25
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	V4-NVYA1T	विषय- नव्यव्याकरणम्
2.	शीर्षकः	व्याकरणदर्शनम्	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक,इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(Core Course) प्रथम प्रश्नपत्रम्	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite If any)	अस्मिन् पाठ्यक्रमे सम्बद्ध विषयेशास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	<ul style="list-style-type: none"> • शब्दब्रह्मणः शक्तिपरिज्ञानं भविष्यति • समग्रदर्शनसिद्धान्तस्य परिचयो भविष्यति। • आस्तिकनास्तिकदर्शनयोः परिचयो भविष्यति । • शब्दशक्तिपरिज्ञानं भविष्यति। • त्रिविधवाचः सम्यग् ज्ञानं भविष्यति। 	
6.	क्रेडिटमानम्	06 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमांकाः- 30+70	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः- 35
भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या90(प्रतिसप्ताहं त्रयः कालांशाः)			
एककः	विषयः	अङ्काः	
01	व्याकरणदर्शनस्य परिचयः (इतिहासः, स्वरूपम्, भेदाः,सिद्धान्तलघुमञ्जूषानुसारं स्फोटतत्त्वम्।)	18	
02	ब्रह्मप्राप्त्युपायः, तस्य प्रतिमा,शब्दस्य नित्यता, व्याकरणस्य प्रयोजनम् (वाक्यपदीयानुसारं ०१ कारिकातः२९ कारिकां यावत्।)	18	
03	आगमप्रमाणस्य सिद्धिः,शब्दस्य भेदः,बोधकत्व -निर्णयः (वाक्यपदीयानुसारं ३० कारिकातः५७ कारिकां यावत्।)	18	
04	जाति-व्यक्तिवादौ,स्फोटः,ध्वनिः,कालभेदः (वाक्यपदीयानुसारं ५७कारिकातः१०१ कारिकां यावत्।)	18	
05	ध्वनेः स्वरूपम्,वागरूपतायाः अनुगमनम्,वेदस्य प्रामाण्यम्, अपभ्रंशः (वाक्यपदीयानुसारं १०२ कारिकातः१५६ कारिकां यावत्।)	18	
भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि			
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-			
1. सिद्धान्तलघुमञ्जूषा - व्याख्याकारःआचार्यः रामप्रसादत्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			
2.वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम् - भर्तृहरिः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			
3. वाक्यपदीयम् ,ब्रह्मकाण्डम् (अम्बाकर्तृव्याख्या) - भर्तृहरिः सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			
4. न्यायकोशः - लेखकः -श्रीभीमाशङ्करः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			

<p>5. सर्वलक्षणसंग्रहः - स्वामी गौरीशंकर- भिक्षुः - चौखम्भा संस्कृत सीरीज ऑफिस , वाराणसी (उ.प्र.) 6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक - बहालगढ, सोनीपत (हरियाणा)</p>		
<p>अनुशंसित-समकक्ष:-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम:- 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in</p>		
<p>भाग- द अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि:</p>		
<p>पूर्णाङ्कः:100 सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्कः:(CCE): 30 विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):70 समयः: 03:00घण्टात्मकम्</p>		
<p>आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):</p>	<p>Class test/Assignment/प्रस्तुतिकरणम्/</p>	<p>पूर्णाङ्कः:30</p>
	<p>अनुभाग अ –पञ्चवहुविकल्पीयाः</p>	<p>5×1=5</p>
	<p>अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)</p>	<p>5×3=15</p>
	<p>अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)</p>	<p>5×10=50 पूर्णाङ्कः:-70</p>
	<p>योगः</p>	<p>100</p>

भाग-अ परिचयः			
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रम्			
कार्यक्रमः- आनर्स/रिसर्च	कक्षा- शास्त्री(B.A.)	वर्ष- चतुर्थम्	सत्रम्-2024-25
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	V4- NVYA2T	विषय- नव्यव्याकरणम्
2.	शीर्षकः	व्याकरणसिद्धान्तः	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः (कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक, इलेक्टिव)	मुख्यविषयः:(Core Course) द्वितीयप्रश्नपत्रम्	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	अस्मिन् पाठ्यक्रमे सम्बद्धविषयेशास्त्रीतृतीयवर्षपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO))	<ul style="list-style-type: none"> धात्वर्थ-लकारार्थ-सुबर्थप्रकरणानाम् अध्ययनेन छात्राः धात्वर्थविषये नैयायिकमीमांसकादीनां मतानि ज्ञात्वा तद्विषये वैयाकरणानां कः सिद्धान्तः इति ज्ञातुं शक्ता भविष्यन्ति। मुख्यतया वादग्रन्थाध्ययने अवगमने च तेषां योग्यताऽभिवर्धते। शास्त्रान्तरवादग्रन्थानपि ते अधिगन्तुं प्रभविष्यन्ति। निपातार्थसंख्यातार्थादिविषये कौण्डभट्टादीनां मतस्य परिज्ञानं भविष्यति। व्याकरणशास्त्रीयस्फोटवादाद्यवबोधः भविष्यति। 	
6.	क्रेडिटमानम्	06 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 30+70	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः- 35
भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या90 (प्रतिसप्ताहं त्रयः कालांशाः)			
एककः	विषयः		अङ्काः
01	धात्वर्थनिर्णयः		18
02	लकारार्थ-सुबर्थ-नामार्थनिर्णयः		18
03	समासशक्ति-शक्तिनिर्णयः		18
04	नञर्थ-निपातार्थ-भावप्रत्ययार्थ-देवतादिप्रत्ययार्थनिर्णयः		18
05	अभेदैकत्वसङ्ख्या-सङ्ख्याविवक्षा-क्त्वाद्यर्थ-स्फोटनिर्णयः		18
भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि			
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-			
1. वैयाकरणभूषणसारः - व्याख्याकारः , श्रीनन्दकिशोरशास्त्री - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			
2. सिद्धान्तलधुमञ्जूषा - व्याख्याकारः:आचार्यः रामप्रसादत्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			
3.वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम् - भर्तृहरिः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			

<p>4. वाक्यपदीयम् ,ब्रह्मकाण्डम् (अम्बाकर्तृव्याख्या) - भर्तृहरिः सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.) 4. न्यायकोशः - लेखकः - श्रीभीमाशङ्करः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.) 5. सर्वलक्षणसंग्रहः - स्वामी गौरीशंकर- भिक्षुः - चौखम्भा संस्कृत सीरीज ऑफिस , वाराणसी (उ.प्र.) 6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक - बहालगढ, सोनीपत (हरियाणा)</p>		
<p>अनुशासित-समकक्षः-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-</p> <p>1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in</p>		
<p>भाग- द अनुशासितमूल्याङ्कनविधिः</p>		
<p>पूर्णाङ्कः:100 सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्कः:(CCE): 30 विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):70 समयः: 03:00घण्टात्मकम्</p>		
<p>आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):</p>	<p>Class test/Assignment/प्रस्तुतिकरणम्/</p>	<p>पूर्णाङ्कः:30</p>
	<p>अनुभाग अ –पञ्चबहुविकल्पीयाः</p>	<p>5×1=5</p>
	<p>अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)</p>	<p>5×3=15</p>
	<p>अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)</p>	<p>5×10=50 पूर्णाङ्कः:-70</p>
	<p>योगः</p>	<p>100</p>

भाग-अ परिचयः			
सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रम्			
कार्यक्रमः- आनर्स/शोधः	कक्षा- शास्त्री (B.A.)	वर्ष- चतुर्थम्	सत्रम्-2024-25
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	V4- NVYA 1D	विषय- नव्यव्याकरणम्
2.	शीर्षकः	परिभाषेन्दुशेखरः	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक,इलेक्टिव)	विषयः:(discipline specific elective Course) अनुशासनविशिष्टवैकल्पिकः प्रथमप्रश्नपत्रम्	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite If any)	अस्मिन् पाठ्यक्रमे सम्बद्धविषयेशास्त्रीतृतीयवर्षपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO))	<ul style="list-style-type: none"> • व्याकरणसिद्धान्तस्य पूर्वपक्षोत्तरपक्षपुरस्सरं परिज्ञानम् । • व्याकरणपरिभाषायाः विशिष्टपरिज्ञानम् । • अनुसन्धानस्य कृते अवसरस्य प्रतिः । • प्रतियोगितापरीक्षायाः कृते छात्राणां सजीकरणम् । • व्युत्पत्तेः विकासः । • शास्त्राणामवबोधनाय कौशलवर्धनम् । 	
6.	क्रेडिटमानम्	04क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 30+70	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः-35
भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या 60 (प्रतिसप्ताहं (त्रयः कालांशाः))			
एककः	विषयः	अङ्काः	
01	शास्त्रत्वसम्पादनोद्देशं नाम प्रथमं प्रकरणम् (मङ्गलाचरणतः स्त्रीप्रत्यय चानुपसर्जने इति परिभाषां यावत्)	12	
02	शास्त्रत्वसम्पादनोद्देशं नाम प्रथमं प्रकरणम् (सञ्ज्ञाविधौ प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणं नास्ति इति परिभाषातः एकदेशविकृतमनन्यवत् इति परिभाषां यावत्)	12	
03	बाधबीजं नाम द्वितीयं प्रकरणम् (पूर्वपरनित्यान्तरङ्गापवादानामुत्तरोत्तरं बलीयः इति परिभाषातःवार्णादाङ्गं बलीयः इति परिभाषां यावत्)	12	
04	बाधबीजं नाम द्वितीयं प्रकरणम् (प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्य इति परिभाषातःगणकार्यमनित्य मिति परिभाषां यावत्)	12	
05	शास्त्रशेषं नाम तृतीयं प्रकरणम् (प्रातिपदिकग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्य इति परिभाषातःगणकार्यमनित्य मिति परिभाषां यावत्)	12	
भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि			
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-			
1. परिभाषेन्दुशेखरः - व्याख्याकारः आचार्यविश्वनाथमिश्रः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			
2. सिद्धान्तलघुमञ्जूषा - व्याख्याकारःआचार्यः रामप्रसादत्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			
3. वाक्यपदीयम् ,ब्रह्मकाण्डम् (अम्बाकर्तृव्याख्या) - भर्तृहरिः सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			
4. न्यायकोशः - लेखकः - श्रीभीमाशङ्करः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			
5. सर्वलक्षणसंग्रहः - स्वामी गौरीशंकर- भिक्षुः - चौखम्भा संस्कृत सीरीज ऑफिस , वाराणसी (उ.प्र.)			
6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक - बहालगढ, सोनीपत (हरियाणा)			

<p>अनुशासित-समकक्ष:-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम:- 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in</p>		
भाग- द अनुशासितमूल्याङ्कनविधि:		
<p>पूर्णाङ्कः:100 सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्कः:(CCE): 30 विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):70 समयः: 03:00घण्टात्मकम्</p>		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):	Class test/Assignment/प्रस्तुतिकरणम्/	पूर्णाङ्कः:30
	अनुभाग अ –पञ्चबहुविकल्पीयाः	5×1=5
	अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)	5×3=15
	अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)	5×10=50 पूर्णाङ्कः:-70
	योगः	100

भाग-अ परिचयः			
सैद्धान्तिकप्रश्नपत्रम्			
कार्यक्रमः- आनर्स/रिसर्च	कक्षा- शास्त्री(B.A.)	वर्ष- चतुर्थम्	सत्रम्-2024-25
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-	V4- NVYA 4D	विषय- नव्यव्याकरणम्
2.	शीर्षकः	महाभाष्यम् (4,5,6, आह्निकानि)	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक, इलेक्टिव)	विषयः:(discipline specific elective Course) अनुशासनविशिष्टवैकल्पिकः प्रथमप्रश्नपत्रम्	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	अस्मिन् पाठ्यक्रमे सम्बद्धविषयेशास्त्रीतृतीयवर्षपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO))	<ul style="list-style-type: none"> महाभाष्ये चतुर्थपञ्चमषष्ठसप्तमाह्निकस्थसूत्राणां भाष्यदिशा बोधो सम्पत्स्यते । पाणिनीयसूत्राणां विशदं ज्ञानं भविष्यति । सूत्रार्थविषये भाष्यकाराणामभिप्रायो ज्ञास्यते । पाणिनीयसूत्राणां व्याख्यानं विविधैः आचार्यैः कथं क्रियते इति बोधः । कैयटकृतप्रदीव्याख्यानस्य तथा नागेशविरचितस्य उद्योतस्य पाठो सम्पत्स्यते । 	
6.	क्रेडिटमानम्	04 क्रेडिट	
7.	पूर्णांकाः-	अधिकतमाङ्काः- 30+70	न्यूनतमोत्तीर्णांकाः-35
भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु			
व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या 60 (प्रतिसप्ताहं त्रयः कालांशाः)			
एककः	विषयः		अङ्काः
01	महाभाष्यस्य चतुर्थाह्निकम्		12
02	महाभाष्यस्यपञ्चमाह्निकस्य ईदूदेतद्विवचनमि ति सूत्रतः अदसो मात् इति सूत्रं यावत्		12
03	महाभाष्यस्यनिपात एकाजनाडिति सूत्रतः पञ्चमाह्निकं यावत् ।		12
04	महाभाष्यस्यसर्वादीनि सर्वनामानि इति सूत्रतः विभाषादिक्समासे इति सूत्रतः तृतीया समासे इति सूत्रं यावत् ।		12
05	महाभाष्यस्यविभाषा जसि इति सूत्रतः अव्ययीभावश्चे ति सूत्रतः षष्ठाह्निकं यावत् ।		12
भाग स- अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि			
पाठ्यपुस्तकानि, संदर्भग्रंथाः, अन्यसंसाधनानि			
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-			
1. व्याकरण -महाभाष्यम् - व्याख्याकारः आचार्यचारुदेवशास्त्री - - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)			
2. सिद्धान्तलधुमञ्जूषा - व्याख्याकारः आचार्यः रामप्रसादत्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.)			

<p>3. वाक्यपदीयम् ,ब्रह्मकाण्डम् (अम्बाकर्तृव्याख्या) - भर्तृहरिः सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-वि वि, वाराणसी (उ.प्र.) 4. न्यायकोशः - लेखकः - श्रीभीमाशङ्करः - चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.) 5. सर्वलक्षणसंग्रहः - स्वामी गौरीशंकर- भिक्षुः - चौखम्भा संस्कृत सीरीज ऑफिस , वाराणसी (उ.प्र.) 6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक - बहालगढ, सोनीपत (हरियाणा)</p>		
<p>अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रमः-</p> <p>1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in</p>		
<p>भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः</p>		
<p>पूर्णाङ्काः:100 सतत-व्यापकमूल्यांकनाङ्काः:(CCE): 30 विश्वविद्यालयीय परीक्षा(UE):70 समयः: 03:00घण्टात्मकम्</p>		
<p>आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् (CCE):</p>	<p>Class test/Assignment/प्रस्तुतिकरणम्/</p>	<p>पूर्णाङ्कः:30</p>
	<p>अनुभाग अ –पञ्चबहुविकल्पीयाः</p>	<p>5×1=5</p>
	<p>अनुभाग ब –पञ्चलघूत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंद्विशतशब्दाः) (200)</p>	<p>5×3=15</p>
	<p>अनुभाग स –पञ्चदीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकंपञ्चशतशब्दाः) (500)</p>	<p>5×10=50 पूर्णाङ्काः:-70</p>
	<p>योगः</p>	<p>100</p>